



केंद्रीय गृहमंत्री
अमित शाह ने
कर्णा-नवसिलियों
के खाते तक चैन
से नहीं बैठेंगे

- 12



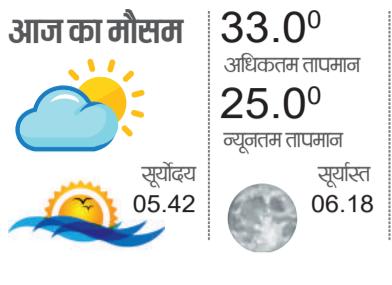
मेदिया कारोबार
नियमों के
अनुबालन के
लिए बैंकों का
आंतरिक नियंत्रण
जल्दी: पांडे- 12



भारत सबसे
ज्यादा टैरिफ
लगाने वाला
देश, खुद कर रहा
जीरो टैरिफ की
मांग - 13



टेस्ट क्रिकेट
में किसी भी
संघर्ष नई गेंद
लेने की अनुमति
मिलानी चाहिए:
कुक- 14



भाद्रपद शुक्ल पक्ष द्वादशी 04:08 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत् 2082

ब्रीफ न्यूज़

कविता ने पार्टी और
एमएलसी पद छोड़ा

हैदराबाद। तेंगनगाम में एक नाटकीय राजनीतिक घटनाक्रम में बुधवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने तो कविता ने पार्टी और विनान परिषद की सदस्यता नहीं और विनान परिषद नुस्खी कविता ने यहां से इस्तीफा दे दिया। सुश्री कविता ने यहां से इस्तीफा दे दिया। आज विनान परिषद में कहा जा रहा है कि उन्होंने बीआरएस प्रमुख के बंदेश्वर राव द्वारा पार्टी से निवारन के बाद अपने आत्मसमान की रक्षा और अपनी ईमानदारी साकित करने के लिए यह फैसला लिया। उन्होंने अपने लगाया कि पार्टी के भीतर दो 'गिरफ्त' उनके बिनालक दुधवार कर रहे हैं और इसमें वरिष्ठ नेता एवं पूर्णसिंचाई मंत्री टी हीरीश राव तथा पूर्व सासद सोना राव का हाथ है, जो बीआरएस पर है।

साजिश रख रहे हैं।

केरल में देश का पहला

वरिष्ठ नागरिक आयोग

तिरुवनंतपुरम। केरल सरकार ने बुजु़ों के अधिकारों की रक्षा और उपकार एवं दुर्योगवार जैसे मुद्दों के समाधान के लिए देश का हलात वरिष्ठ नागरिक आयोग बनाया है। राज्य की

उचित शिक्षा एवं सांस्कृतिक व्यापार की रक्षा

आपूर्ति की रक्षा

न्यूज ब्रीफ

सौहादपूर्ण तरीके से

मनायें त्योहारः : एसएसी बहराइच, अमृत विचार : कोतवाली नगर व ग्रामपाल क्षेत्र तथा संबंधित थानों की शांति समिति बैठक अपर पुलिस अधीक्षक नगर रामनंद कुशवाहा के नेतृत्व में की गई। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक नगर द्वारा सभी से त्योहारों की शांतिपूर्ण तरीके से सौहादपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की गयी।

साइबर अपराध से बचने के दिये टिप्प

नवाबांग, बहराइच, अमृत विचार : साइबर अपराध की रोकथाम व उससे बचने के लिए विकास के पुलिस ने अनियन्त्रित लागत कर विकास को बचाया को जापासक किया। आरपीएम पलिक स्कूल में पुलिस कर्मियों की टीम ने साइबर अपराध से बचने के टिप्प दिये। उन्नीरकी विशाल पाठक के नेतृत्व में आरपी अमृत विचार, असद खान, महिला कार्टेरबल सुधिया पाल के आरपीएम स्कूल में शिविर का आयोजन किया गया।

पुलिस ने बंजर भूमि से हटवाया कब्जा

कैरेगंग, बहराइच, अमृत विचार : ऐसी में सरकारी भूमि पर हो रहे अतिक्रमण को पुलिस ने रुकावा दिया। बुधवार की भूमि पर दर्यों द्वारा कब्जे का प्रायास किया गया। कुछ लोगों ने इसकी सूखना एसडीएम को दी। एसडीएम ने तकाल अतिक्रमण रोकने के लिए प्रभारी निरीक्षक को निर्देशित किया। प्रभारी महिला कुमार शर्मा भूमि पर पहुंचे और उन्होंने निर्माण कार्य रुकवा दिया है उन्होंने बताया कि इस भूमि से संबंधित वाद न्यायालय में विवारणीय हो उन्होंने बताया कि जो भी अतिक्रमण हो रहा था उसे रुकावा दिया गया है।

बहराइच को मिलेगी नयी पहचान, चमकेगा हर मोहल्ला

नगर पालिका अध्यक्ष और ईओ की जोड़ी ने मिलकर लिखी प्रगति की इबारत, सीसीटीवी की नजर में होगा नगर क्षेत्र

होगा विकास

संवाददाता, बहराइच

अमृत विचार : बहराइच शहर की हालत बदलने जा रही है। शहर का जल्द ही नया स्वरूप दिखेगा। पालिका अध्यक्ष सुधा टेकडीवाल व नगर पालिका की ईओ प्रमिता सिंह ने आपसी सूक्ष्म-बूझ व रिसर्च से शहर के विकास का जो शाका तैयार किया है वह बहराइच को एक अलग पहचान देने जा रहा है। जहां हर गली-मोहल्ले की चमाचम सड़कें व नलियां होंगी तो शहर का कोना-कोना दूधिया रोशनी से एक अलग आभा खिलेगी।

पालिका अध्यक्ष सुधा टेकडीवाल ने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष 2023-2024 का बजट इस वर्ष प्राप्त हुआ है। उसके अंतर्गत 11 लाख 81,365 अनाईट याजना में 5 करोड़ 85 लाख की लागत से 74 सड़कों का



शहर के विकास की रूपरेखा बताती पालिका अध्यक्ष सुधा टेकडीवाल और ईओ प्रमिता सिंह व प्रतिनिधि श्यामकरन टेकडीवाल।

निर्माण स्वीकृत हुआ है। इसके साथ ही स्टॉप शूट्क से कायाकल्य योजना के अंतर्गत दो विद्यालय, यात्री शेड व महाराण प्रताप चौक से नगर पालिका व अप्रसेन चौराहे से रेलवे स्टेशन तक पोल व लाईटें लगावाई जाएंगे। इस पर 1 करोड़ 11 लाख 81,365 अनाईट याजना में 5 करोड़ 85 का व्यव होगा। इसके अतिरिक्त वाच्य वित्त से लागत 25 निर्माण

कार्यों का टेंडर हुआ है। वित्तीय वर्ष 25-26 में नगर क्षेत्र में अब तक 200 से अधिक निर्माण व मरम्मत कार्य कराया गया है। पालिका अध्यक्ष के प्रयास से 44 लाख 62 हजार की लागत से स्वाधाम स्कूल के सौंदर्यकरण का कार्य भी कराया जा रहा है। इसके अतिरिक्त निर्माण का व्यव होगा। वाच्य वित्त से लागत 25 निर्माण

के लिए 90 लाख रुपए का टेंडर हो चुका है जिसका कार्य शीर्षक शुरू होगा। ईओ प्रमिता सिंह आने वाले दिनों में मूर्ति विसर्जन हेतु मरी माता मर्दान के दूसरे तट पर एक करोड़ 68 लाख की लागत से घाट का निर्माण कराया जा रहा है। इन से सर्वे करके निर्माण का सफाई का भी कार्य कराने वाले से स्वर्णगाम मार्ग के निर्माण

बारावकात जुलूस को लेकर पालिका के खंभों पर तिरंगा लाइट लगाई गई है। इसके साथ जो खंभे हैं उस पर भी तिरंगा लाइट लगाई जानी है। उन्होंने बताया कि जलभरात की समर्पण का देखे हुए यादमारी, रविदास, रायपुर राजा, किंतु मैं नाला निर्माण कार्य वर्त रहा है। इसी तरह 1 करोड़ की लागत से सरसवीनी नगर में नाला निर्माण स्वीकृत है। पर्यटन क्षेत्र में बैराया मंदिर परिसर में स्थित तालाब व झील का 50 लाख की लागत से सौंदर्यकरण कराया गया है। उन्होंने बताया कि गुलाबीर मंदिर में वंदन योजना के अंतर्गत 60 लाख से सौंदर्यकरण कराया जा रहा है। रेटिंग सहित कई स्थानों पर शोध वित्त किया गया है।

बारावकात जुलूस को लेकर पालिका के खंभों पर तिरंगा लाइट लगाई गई है। विधिन स्थानों पर भी हमला कर गंभीर रुप से धायल कर दिया गया। अब्बास ने गंभीर रुप से धायल कर दिया गया। सौन्दर्यकरण कराने की योजना है। उन्होंने बताया कि गुलाबीर मंदिर में वंदन योजना के अंतर्गत 60 लाख से सौंदर्यकरण कराया जा रहा है। रेटिंग सहित कई स्थानों पर विनाश किया गया है।

दो पक्षों में मारपीट पांच लोग घायल

खैरीघाट, बहराइच, अमृत विचार : दलजीत पुरा ग्राम पंचायत के पंडितपुरा में बुधवार सुबह करीब 10 बजे जमीन के बिवाद के लिए गया है। शीर्षी ही कार्य शुरू हो गया है। वहाँ 24 लाख 31 हजार रुपए की लागत से पीपल वीरां जो बड़ी रोड का निर्माण कार्य वर्त रहा है। उन्होंने बताया कि छोटी बाजार के निकट कौन्हांग की रोड का भी टेंडर हो गया है। जिसका निर्माण भी शीर्षी ही शुरू हो जाएगा। उन्होंने बताया कि जलभरात की समर्पण का देखे हुए यादमारी, रविदास, रायपुर राजा, किंतु मैं नाला निर्माण कार्य वर्त रहा है। इसी के साथ 2 लाख 300 रुपए की लागत से गलती मैटी से उत्तर तक तालाब व झील का 50 लाख की लागत से सौंदर्यकरण कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गुलाबीर मंदिर में वंदन योजना के अंतर्गत 60 लाख से सौंदर्यकरण कराया जा रहा है। रेटिंग सहित कई स्थानों पर विनाश किया गया है।

अब्बास ने गंभीर रुप से धायल कर दिया कि उसने गंभीर निवासी नक्षे आदि से जमीन खरीदा है। विधिन स्थानों पर भी हमला कर देखे हैं। विधिन स्थानों पर भी हमलावारों ने नहीं बढ़ाया। सौन्दर्यकरण कराने की योजना है।

बचाव में आए बेटा नजीर (40), ननकुन (30) तथा बब्बन (25) पर

भी हमला कर गंभीर रुप से धायल कर दिया गया।

बारावकात जुलूस को लेकर पालिका

द्वारा जुलूस मार्गों पर अस्थाई कैरिए

लगाए गए हैं। विधिन स्थानों पर

सौन्दर्यकरण कराने की योजना है।

बहराइच नगर पालिका को स्मार्ट

सीटी योजना में चयनित कर लिया जा चुके हैं। 10 लाख की लागत से घाट का निर्माण कराया जा रहा है। इन से सर्वे करके निर्माण का व्यव होगा।

विधिन स्थानों पर भी गंभीर रुप से धायल कर दिया गया।

गं

न्यूज ब्रीफ

दो दिवसीय नवाचार

मेले का हुआ समापन

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार : जिला

शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बोर्डी में

आयोजित दो दिवसीय जनपद स्तरीय

नवाचार मेले कुमार बोर्डर को सफ्ट

हुआ। प्रार्थी उंचाई कुमार त्रिपाठी व

वरिष्ठ प्रवक्ता निलौल कुमार पाण्डेय

के नेतृत्व में चल रहे नवाचार मेले में

जनपद के प्रत्यक्ष बॉक्स से पांच पांच

शिक्षकों ने हिस्सा तेकर अपने-अपने

शिक्षिकारी नवाचार प्रस्तुत किए। विज्ञान

शिक्षा को रोचक एवं प्रभावी बोर्ड

के लिए कठीनी आवार्ति शिक्षण पर

विशेष नवाचार किया गया था। मेले में

वेसिक शिक्षकों के तात्पार जायी

माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षक व

एआरपी ने प्रतिभाग किया, कार्यक्रम

के नोडल अधिकारी श्रवण कुमार ने

बताया कि इस कार्यक्रम के उपरांत

नेलंग शेरिंग का कार्यक्रम बॉक्स

के लिए प्रकाशित किया जाएगा। इस दोगं

वरिष्ठ प्रवक्ता लालौल कुमार पाण्डेय

शिक्षकों के द्वारा प्रस्तुत नवाचार बेर्ट

प्रैविटेज को मूल्यांकन समिति के साथ

निरीक्षण गया। इस नवाचार मेले का

निरीक्षण सहाय शिक्षा निदेशन संघर्ष

कुमार श्रवण व बौद्धी शैक्षणिक

नई शिक्षकों के नवाचारी व टीएलएम

का निरीक्षण किया गया। इस दोगं

प्रवक्ता मंजुला यादव, मोहम्मद युसु

द, धर्मेन्द्र कुमार, सतीराज कुमार धवन,

अनुराग श्रीवास्तव, डॉ. प्रतिभा सिंह,

अंजना, महेंद्र यादव, अनिल कुमार बिंद

कुरकान अमेहद, पंकज कुमार, बदीनाथ

प्रियांगी उपरित रहे।

नेपाल भेजी जा रही यूरिया

को एसएसबी ने पकड़ा

शोररामगढ़/रियार्थनगर, अमृत विचार

शोररामगढ़ में सीमा योकी लोहिटी के

भारत-नेपाल बांदर पर एसएसबी ने

यूरिया तस्करी का प्रयास नकार कर

दिया। 43वीं वाहनी सशस्त्र सीमा

बल की सीमा योकी लाहटी के जवानों

ने मंगलवार को गत तर्फ के दोगं

कार्रवाई की। एसएसबी जवानों ने

सीमा रातम् सख्त 562/01 के पास

दो मोटरसाइकिलों पर यूरिया ले जा रहे

तस्करों को देखा। तस्कर एसएसबी

जवानों को देखते ही मोटरसाइकिल

और सामान छोड़कर नलंग की तरफ

भाग गये। मौके से 6 बोरी यूरिया और

2 मोटरसाइकिल बराबर की गई।

एसएसबी के जवानों ने जब शाम

को आगे की कार्रवाई की तिपुलिस

योकी कोटिया थाना शोररामगढ़ को सौंप

दिया। 43वीं वाहनी एसएसबी भारत-

नेपाल सीमा पर तस्करी रोकने के

लिए एसएसबी स्थिरपूर्ण तर्फ

नियमित रूप से अंबेडकर समान

मनव तस्करी, नशीली बांदों, अधैष

मुद्रा और वन्य जीव तस्करी की तस्करी

को रोक रही है। पकड़े जाने तस्करों

पर कानूनी कार्रवाई की जाती है।

भाषा गणित की समझ

को आवश्यक है यह

प्रशिक्षण : आशीष

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार : परिषदीय

विद्यालय के बच्चों के आवश्यक

वर्षांत अवश्यक है। इस

प्रशिक्षण की उपोक्ता नीरस्त होगी,

जब इस प्रशिक्षण में बताये गई विषय को

विद्यालय में छात्र छात्राओं के मध्य सभी

शिक्षकों द्वारा क्रियान्वित किया जायेगा।

उत्तर आशय का श्रवण कुमार मिश्र ने विकास

क्षेत्र वर्पुर और अनंगद में चल रहे पांच

दिवसीय एकलएन प्रशिक्षण के ओचक

निरीक्षण की दौरान प्रशिक्षण तेरे

शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए घृण्ण

विषय को शिक्षण के साथ तर्फ

निरीक्षण की दौरान प्रशिक्षण को निर्देश

दिया। उन्होंने विषय की विषय

शिक्षण की उपोक्ता नीरस्त होगी।

जब इस प्रशिक्षण में बताये गई विषय को

विद्यालय में छात्र छात्राओं के मध्य सभी

शिक्षकों द्वारा क्रियान्वित किया जायेगा।

उत्तर आशय का श्रवण कुमार मिश्र ने विकास

क्षेत्र वर्पुर और अनंगद में चल रहे

पांच दिवसीय एकलएन प्रशिक्षण के ओचक

निरीक्षण की दौरान प्रशिक्षण तेरे

शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए घृण्ण

विषय को शिक्षण के साथ तर्फ

निरीक्षण की दौरान प्रशिक्षण को निर्देश

दिया। उन्होंने विषय की विषय

शिक्षण की उपोक्ता नीरस्त होगी।

जब इस प्रशिक्षण में बताये गई विषय को

विद्यालय में छात्र छात्राओं के मध्य सभी

शिक्षकों द्वारा क्रियान्वित किया जायेगा।

उत्तर आशय का श्रवण कुमार मिश्र ने विकास

क्षेत्र वर्पुर और अनंगद में चल रहे

पांच दिवसीय एकलएन प्रशिक्षण के ओचक

निरीक्षण की दौरान प्रशिक्षण तेरे

शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए घृण्ण

विषय को शिक्षण के साथ तर्फ

निरीक्षण की दौरान प्रशिक्षण को निर्देश

दिया। उन्होंने विषय की विषय

शिक्षण की उपोक्ता नीरस्त होगी।

जब इस प्रशिक्षण में बताये गई विषय को

विद्यालय में छात्र छात्राओं के मध्य सभी

शिक्षकों द्वारा क्रियान्वित किया जायेगा।

उत्तर आशय का श्रवण कुमार मिश्र ने विकास

क्षेत्र वर्पुर और अनंगद में चल रहे

पांच दिवसीय एकलएन प्रशिक्षण के ओचक

निरीक्षण की दौरान प्रशिक्षण तेरे

शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए घृण्ण

विषय को शिक्षण के साथ तर्फ

निरीक्षण की दौरान प्रशिक्षण को निर्देश

दिया। उन्होंने विषय की विषय

शिक्षण की उपोक्ता नीरस्त होगी।

जब इस प्रशिक्षण में बताये गई विषय को

विद्यालय में छात्र छात्राओं के मध्य सभी

शिक्षकों द्वारा क्रियान्वित किया जायेगा।

उत्तर आशय का श्रवण कुमार मिश्र ने विकास

क्षेत्र वर्पुर और अनंगद में चल रहे

पांच दिवसीय एकलएन प्रशिक्षण के ओचक

निरीक्षण की दौरान प्रशिक्षण तेरे

शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए घृण्ण

विषय को शिक्षण के साथ तर्फ

निरीक्षण की दौरान प्रशिक्षण को निर्देश

गुरुवार, 4 सितंबर 2025



सोने और खने का नाम जिंदगी नहीं है। आगे बढ़ते रहने की लगन का नाम जिंदगी है।

-मंशी प्रेम चंद, साहित्यकार

भूकंप से संदेश और सीख

हालिया भूकंप ने अफगानिस्तान को गहरी खाई में धकेल दिया। इसने सैकड़ों जाने लीं, हजारों को बेघर और घायल किया, साथ ही कई बुनियादी ढांचे तबाह कर दिए। प्रभावित इलाकों में सड़कें, स्कूल, अस्पताल और जलापूर्ति तंत्र जैसी आवश्यक सेवाएं अचानक ठप हो गईं। अनुमान है कि अरबों डॉलर की आर्थिक क्षति हुई है, जबकि अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था पहले से ही युद्ध, प्रविष्टियों और अस्थिर शासन के कारण कमज़ोर है। इस आपादा की घटी में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय आगे तो आया है, परंतु भारत को छोड़कर अधिकतर दशों में गंभीरी और दरियादली बहुत कम दिखी। मानवीय आधार पर सहायता भेजने में भारत की ओर सहायता सराहनी है। उसने तंब्बे टनों खाद्य सामग्री वांगरे के साथ यह सांत्वना भी भेजी कि प्रधावित लोगों को हर संघर्ष मानवीय सहायता और राहत देने की वह तैयार है। पाकिस्तान ने सीमावर्ती इलाकों में राहत सामग्री पहुंचाई है। उल्लेखनीय है कि प्रधावित होने वालों में अधिकांश वे शरणार्थी ही हैं, जिन्हें पाकिस्तान ने भगा दिया था। अमेरिका और कुछ अन्य देश तालिबान शासन की कट्टरपंथी नियतियों के चलते मदद से दूरी बनाए हुए हैं, जो उचित नहीं। ऐसी विम परिस्थितियों में सहयोग न कवल मानवीय दृष्टि से अनियावर्य है, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता के लिए रणनीतिक दृष्टिकोण से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। जब कोई देश लगातार संकट से जूझता है, तो उसका असर सीमाओं से बाहर तक फैलता है।

दो दिनों में नौ भूकंप झेल चुके अफगानिस्तान के लिए संकट का एक प्रवण पहलू यह है कि इन सूक्ष्मके बावजूद उसके पास न तो आपाद प्रबंधन की तोड़ी व्यवस्था है, न पर्याप्त प्रशिक्षण प्राप्त रेस्क्यू बल, न आधुनिक उपकरण और न ही आपादा पूर्व चेतावनी प्रणाली। भूकंप-प्रवण इलाकों में सुरक्षित निर्माण मानकों की अनुपरिवर्त्ति जन-धन की हानि बढ़ाती है। ऐसे में अफगानिस्तान के लिए आवश्यक है कि वह अंतर्राष्ट्रीय संसाधनों और तकनीकी सांस्कृतिक रूप से एक सुदृढ़ आपाद प्रबंधन तंत्र विकसित करे। राहत और पुनर्वास से आगे बढ़कर उसे दीर्घकालीन दृष्टिकोण अपनाना होगा, जैसे- सिस्मिक जेन में भवन निर्माण को सख्ती से नियंत्रित करना, स्कूलों और समुदाय स्तर पर भूकंप सुरक्षा का प्रशिक्षण देना तथा आपाद स्थितियों में त्वरित संचार व्यवस्था व्यापिक करना। यह केवल अफगानिस्तान तक सीमित नहीं है, जहां राजनीतिक, आर्थिक और संस्कृतात् स्थिति कमज़ोर है, जिसके चलते वह प्राकृतिक आपादाओं के सामने अधिक असहाय सावित हुआ। भारत की हालियी क्षेत्र से लेकर उत्तर-पूर्व का ताजा भूभाग उच्च खोलते नज़र आ रहे हैं। किनी भी समय बढ़ा भूकंप यहां भारी तबाही ला सकता है। इसलिए भारत को फैरैन इमारतों के भूकंपीय सुरक्षा मानकों का पालन अनियावर्य करना होगा। साथ ही स्कूलों, अस्पतालों और सरकारी इमारतों जैसी सार्वजनिक संरचनाओं की जांच और उनका सुदृढ़ीकरण भी आवश्यक है। एस्टीआरएफ और राज्य आपाद बलों को अधिक संसाधन तथा आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराना और आग नागरिकों में जागरूकता फैलाना भी उतना ही जरूरी है। अफगानिस्तान की त्रासीदारी हमें यह सिखायी है कि भूकंप जैसी प्राकृतिक आपादाएं सीमाएं नहीं देखती। इनसे बचाव केवल सापूर्हक तैयारी और सहयोग से ही संभव है।

प्रसंगवाच

मुट्कुराहट में छिपा अवसाद

हाल ही में उत्तर प्रदेश में एक दिल को छूने वाली घटना घटी। मानसिक अवसाद से ग्रस्त रानी देवी 17 साल बाद परिवार से मिर्नी। वर्ष 2008 में वह घर से अचानक लापता हो गई। परिवार ने हर जगह तलाश किया, लेकिन रानी देवी को कोई सुराग नहीं मिला। रानी देवी गंभीर मानसिक अवसाद से जूझ रही थीं। घरेलू दबाव, आर्थिक तंगी और परिवारिक उपेक्षा ने उन्हें भीतर से तोड़ दिया। इसी मानसिक स्थिति में उन्होंने घर छोड़ दिया और अजनबी शहरों में भटकती रहीं। एक पुनर्वास केंद्र में समाजसेवियों की नजर उन पर्याप्त और उन्हें घर पहुंचाया गया।

देश में महिलाओं का मानसिक अवसाद के बावजूद स्वास्थ्य से जुड़ा मुद्दा नहीं है, बल्कि यह एक बहुआयामी सामाजिक समस्या है। भारत जैसे देश में जहां पारपंक्ति सोच और आधुनिक जीवन शैली आपस में टकराती हैं, वहां महिलाएं दोहरी चुनौतियों से जुराती हैं। उनसे पारपंक्ति भूमिकाएं निभाने की अपेक्षा की जाती है, वहीं दूसरी ओर आधुनिक प्रतिस्पर्धी समाज में बरबारी सांखिक करने का दबाव उन पर होता है। वह दूदू की स्थिति उनके मानसिक स्वास्थ्य को गहराई से प्रभावित करती है। पारपंक्ति समाज में अक्षर महिलाओं की भवानाओं और उनके मानसिक स्वास्थ्य को नजरअंदाज कर दिया जाता है, जिसके कारण वे अवसाद, चिंता और तनाव का समाना करती हैं।

हाल के शोध बताते हैं कि भारत में अवसाद से पीड़ित कुल मरीजों में लगभग आधी संख्या महिलाओं की है। विभिन्न अध्ययन बताते हैं कि प्राथमिक देखभाल स्तर पर महिलाओं में अवसाद की व्यापकता और अप्रतिश्वेत 41.9 प्रतिशत रूप से लगभग 4.1 ग्रामीण अवसाद की गहराई से प्रभावित करती है।

पारपंक्ति समाज में अक्षर महिलाओं की भवानाओं और उनके मानसिक स्वास्थ्य को नजरअंदाज कर दिया जाता है, जिसके कारण वे अवसाद, चिंता और तनाव का समाना करती हैं।

हाल के शोध बताते हैं कि भारत में अवसाद से पीड़ित कुल मरीजों में लगभग आधी संख्या महिलाओं की है। विभिन्न अध्ययन बताते हैं कि प्राथमिक देखभाल स्तर पर महिलाओं में अवसाद की व्यापकता और अप्रतिश्वेत 41.9 प्रतिशत रूप से लगभग 4.1 ग्रामीण अवसाद की गहराई से प्रभावित करती है।

पारपंक्ति समाज में अक्षर महिलाओं की भवानाओं और उनके मानसिक स्वास्थ्य को नजरअंदाज कर दिया जाता है, जिसके कारण वे अवसाद, चिंता और तनाव का समाना करती हैं।

हाल के शोध बताते हैं कि भारत में अवसाद से पीड़ित कुल मरीजों में लगभग आधी संख्या महिलाओं की है। विभिन्न अध्ययन बताते हैं कि प्राथमिक देखभाल स्तर पर महिलाओं में अवसाद की व्यापकता और अप्रतिश्वेत 41.9 प्रतिशत रूप से लगभग 4.1 ग्रामीण अवसाद की गहराई से प्रभावित करती है।

पारपंक्ति समाज में अक्षर महिलाओं की भवानाओं और उनके मानसिक स्वास्थ्य को नजरअंदाज कर दिया जाता है, जिसके कारण वे अवसाद, चिंता और तनाव का समाना करती हैं।

हाल के शोध बताते हैं कि भारत में अवसाद से पीड़ित कुल मरीजों में लगभग आधी संख्या महिलाओं की है। विभिन्न अध्ययन बताते हैं कि प्राथमिक देखभाल स्तर पर महिलाओं में अवसाद की व्यापकता और अप्रतिश्वेत 41.9 प्रतिशत रूप से लगभग 4.1 ग्रामीण अवसाद की गहराई से प्रभावित करती है।

पारपंक्ति समाज में अक्षर महिलाओं की भवानाओं और उनके मानसिक स्वास्थ्य को नजरअंदाज कर दिया जाता है, जिसके कारण वे अवसाद, चिंता और तनाव का समाना करती हैं।

हाल के शोध बताते हैं कि भारत में अवसाद से पीड़ित कुल मरीजों में लगभग आधी संख्या महिलाओं की है। विभिन्न अध्ययन बताते हैं कि प्राथमिक देखभाल स्तर पर महिलाओं में अवसाद की व्यापकता और अप्रतिश्वेत 41.9 प्रतिशत रूप से लगभग 4.1 ग्रामीण अवसाद की गहराई से प्रभावित करती है।

पारपंक्ति समाज में अक्षर महिलाओं की भवानाओं और उनके मानसिक स्वास्थ्य को नजरअंदाज कर दिया जाता है, जिसके कारण वे अवसाद, चिंता और तनाव का समाना करती हैं।

हाल के शोध बताते हैं कि भारत में अवसाद से पीड़ित कुल मरीजों में लगभग आधी संख्या महिलाओं की है। विभिन्न अध्ययन बताते हैं कि प्राथमिक देखभाल स्तर पर महिलाओं में अवसाद की व्यापकता और अप्रतिश्वेत 41.9 प्रतिशत रूप से लगभग 4.1 ग्रामीण अवसाद की गहराई से प्रभावित करती है।

पारपंक्ति समाज में अक्षर महिलाओं की भवानाओं और उनके मानसिक स्वास्थ्य को नजरअंदाज कर दिया जाता है, जिसके कारण वे अवसाद, चिंता और तनाव का समाना करती हैं।

हाल के शोध बताते हैं कि भारत में अवसाद से पीड़ित कुल मरीजों में लगभग आधी संख्या महिलाओं की है। विभिन्न अध्ययन बताते हैं कि प्राथमिक देखभाल स्तर पर महिलाओं में अवसाद की व्यापकता और अप्रतिश्वेत 41.9 प्रतिशत रूप से लगभग 4.1 ग्रामीण अवसाद की गहराई से प्रभावित करती है।

पारपंक्ति समाज में अक्षर महिलाओं की भवानाओं और उनके मानसिक स्वास्थ्य को नजरअंदाज कर दिया जाता है, जिसके कारण वे अवसाद, चिंता और तनाव का समाना करती हैं।

हाल के शोध बताते हैं कि भारत में अवसाद से पीड़ित कुल मरीजों में लगभग आधी संख्या महिलाओं की है। विभिन्न अध्ययन बताते हैं कि प्राथमिक देखभाल स्तर पर महिलाओं में अवसाद की व्यापकता और अप्रतिश्वेत 41.9 प्रतिशत रूप से लगभग 4.1 ग्रामीण अवसाद की गहराई से प्रभावित करती है।

पारपंक्ति समाज में अक्षर महिलाओं की भवानाओं और उनके मानसिक स्वास्थ्य को नजरअंदाज कर दिया जाता है, जिसके कारण वे अवसाद, चिंता और तनाव का समाना करती हैं।

हाल के श

गुरुवार्हा गुरुवर्ष्या गुरुदेवो महेश्वरः।

गुरुः साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरुवे नमः॥

(गुरु ही ब्रह्मा, विद्या शंकर और साक्षात् परमब्रह्म हैं, ऐसे गुरु को मैं नमन करता हूँ।)



बदल गई पढ़ाई, अब स्ट्रिकल से ही कमाई

शिक्षक ज्ञान के द्वारपाल, तकनीक के हथियार से गढ़ने होंगे नए आकार

भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोपरि है। गुरु-शिष्य परंपरा हमारी पहचान है। गुरु यानि शिक्षक केवल किताबों का ज्ञान नहीं देते, बल्कि जीवन जीने की कला, नैतिकता और अनुशासन का मार्ग दिखाकर जीवन की वास्तविकताओं से अवगत कराते हैं। शिक्षकों की प्रेरणा और मार्दान्तर से ही विद्यार्थी अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। शिक्षक दिवस हमें याद दिलाता है कि शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं है, यह जीवन की महत्वपूर्ण यात्रा है, और शिक्षक इस यात्रा में इंजन है। ऐसे में यह दिन शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता, सम्मान और आभार प्रकट करने तथा उनके योगदान की सराहना का तरीका है।



डिजिटल युग ने बदली शिक्षा की परिभाषा और बदल गई शिक्षकों की भूमिका

तेजी से बदलती दुनिया में शिक्षकों के लिए समाज में नैतिक, संस्कृति और परंपरा के महत्व को सम्पादकर विद्यार्थियों को सही मार्ग पर ले जाने की चुनौती बढ़ गई है। डिजिटल युग ने शिक्षकों की परिभाषा और शिक्षकों की भूमिका बदल दी है। ऐसे में शिक्षकों को डिजिटल कौशल और आधुनिक तकनीक का ज्ञान तथा बदलावों के साथ अपने दृष्टिकोण को अपडेट करना चाहिए और जीवनी है। क्योंकि इंटरनेट पर उपलब्ध जानकारी की प्रसूति के कारण ज्ञान के साथ वाली शिक्षकों की पारपरिक भूमिका को बुराई मिल रही है।

शिक्षक दिवस : कबीर की बताई बात नए जमाने में भी है प्रासंगिक

“गुरु कुम्हार और शिष्य कुंभ है, गढ़ि गढ़ि काढ़े खोट। अंतर हाथ सहार दै, बाहर बाहर चोट।”

(शिक्षक कुम्हार है, और शिष्य घड़ा। वह भीतर से हाथ का सहारा और बाहर से चोट देकर शिष्य को ऐसे तराशता है, जिससे उसके मन में कोई बुराई न रह जाए।)

...क्योंकि हर स्टूडेंट कुछ अलग होता है

■ पहले पढ़ाई सिर्फ़ किताबों और परीक्षाओं तक सीमित थी। अब रुकूल नई शिक्षण विधियों का उपयोग कर रहे हैं। इसमें शिक्षकों की भूमिका छात्रों की समस्याएं सुलझाने, नए कौशल सिखाने और भविष्य के पथ प्रशंसक जैसी हो गई है। तकनीक छात्रों को नए तरीकों से सीखने में मदद कर रही है, ऐसे में जरूरी है कि शिक्षक भी नए कौशल सीखें। छात्रों को सही राह पर बढ़ाए रखने के तरीके खोजें। रुकूल-कॉलेज भी व्यवितरण शिक्षा पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, क्योंकि इस विद्यार्थी अलग होता है। कुछ जन्दी सीखते हैं, कुछ को थोड़ा समय लगता है। शिक्षकों की पढ़ाई कि किस बच्चे की वज़ा जरूरत है। कक्षाओं में स्पार्टोबॉल, शैक्षिक ऐसे और विडियो का इस्तेमाल शिक्षक पढ़ाई को मजेदार बना सकते हैं।

‘नॉलेज बेस्ड इकोनॉमी’ ज्ञान से जुड़ा कौशल सबसे ऊपर

■ थोड़ा पढ़-लिख गए, तो इसका भलब यह नहीं है कि आपको सब कुछ आता है। सीखने के लिए पूरी उम्र कम जड़ जाती है। पहले और सीखने में फँक है। सीखना ऐसी कठावाही है, जिससे हम बुद्ध को अपडेट और इंवेट कर सकते हैं। आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में शिक्षण पढ़ाति में व्यावरातिक कौशल का महत्व समझना होगा। यह समय ‘नॉलेज बेस्ड इकोनॉमी’ का है, जिसमें ज्ञान से जुड़ा कौशल सबसे ऊपर है। इसलिए छात्रों को बाहिए कि वे पारंपरिक विषयों से अपने बढ़कर अपनी रुचि के क्षेत्र में रिसर्च आसानी या व्यावसायिक कोर्सेज का चयन करें।

एआई के दौर में भावनात्मक बुद्धिमत्ता व रचनात्मकता विकसित करनी होगी

■ शिक्षा का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। इंटरनेट में सूचना और ज्ञान तक हर किसी की पहुँच बना दी है। इस बदलाव से शिक्षक अब केवल तथ्यों के बारे बोलने के तरिके के बारे में जरूरी है। ज्ञान के सरकार होने के नाते उनके कंधों पर छात्रों को सूचना के साथर में रसात आपने दिखाने की जिम्मेदारी आ गई है। एआई में तकनीक के परिदृश्य में शिक्षकों को भावनात्मक बुद्धिमत्ता, अनुकूलनीयता और रचनात्मकता जैसे उस तरह के कौशल विकसित करने होंगे जो अभी एआई की पहुँच में नहीं हैं।

बढ़िया मार्कस या ग्रेड पर न इतराएं, वह क्षमता लाएं जो नियोक्ता को भाए



लेखिका
डॉ. क्षमा त्रिपाठी
प्रोफेसर, जींजीपीजी कॉलेज, काशीपुर

फैशन डिजाइनिंग में क्रिएटिविटी से कैरियर का सुनहरा सफर

आज के दौर में फैशन डिजाइनिंग सिर्फ़ कपड़े और एक्सेसरीज बनाने तक सीमित नहीं है, यह एक

उभरत हुआ कैरियर विकल्प है, जिसके लिए क्रिएटिविटी, टेक्निकल नॉलेज और आधुनिक ड्रैसिंग की गहरी समझ जरूरी है। कपड़ों और एक्सेसरीज को डिजाइन करने उड़े आधुनिकता, सौंदर्यशास्त्र और व्यक्तिगत्ता के अनुरूप प्रस्तुत करने के लिए कला में कॉस्टर्ट कैलेपमेंट, स्क्रिंग, फैनिक सेलेक्शन, पैटेन्ट में कैरियर फैडिनल गारमेंट प्रोडेलेन तक की पूरी प्रक्रिया शामिल होती है।

बदलती जीवनशैली और ग्लोबल कैरियरिंग ने फैशन डिजाइनिंग क्षेत्र को लोकप्रिय विस्तार किया है।

यदि आपके भीतर क्रिएटिविटी, नए ड्रैइस सीखने की चाहत और अपनी

प्रयोगशाला की चाहत है, तो

यह कोर्स आपके लिए सबसे सही विकल्प हो सकता है।

इन क्षेत्रों में बना सकते हैं कैरियर

■ फैशन डिजाइनर ■ टेक्सिल डिजाइनर ■ जैलरी डिजाइनर ■ फैशन कंसलेंट ■ फैशन इलेक्ट्रोटर ■ पैर्टन मेकर ■ स्टाइलिंग प्रोड्यूसर ■ ग्राफिक डिजाइनर ■ बुटीक या स्टार्टअप ■ मैर्चेंडाइजिंग, रिटेल सेलर ■ एक्सपोर्ट-इंपोर्ट हाउस



यहाँ उपलब्ध है पढ़ाई

डॉ. रामकृष्ण पालियन विश्वविद्यालय में फैशन डिजाइनिंग कोर्स पर्याप्त एवं सतत शिक्षा विभाग के अंतर्गत सफलतापूर्वक संचालित है।

■ पीजी डिलेक्टर इन फैशन डिजाइनिंग, वर्ष 1992 से संचालित, प्रवेश योग्यता ग्रेजुएशन।

■ बीवॉक फैशन डिजाइनिंग एंड आर्मेंट टेक्नोलॉजी, वर्ष 2018 से संचालित, प्रवेश योग्यता इटर्मोडिप्टर।

क्यों चुनें यह कोर्स

■ यह एक प्रोफेशनल कोर्स है, जिसके करने के बाद तुरंत इंटर्नशिप और जीव से जुड़ सकते हैं।

■ छात्र-छात्रां चाहे तो स्वयं का स्टार्टअप या बुटीक या शुरू कर सकते हैं।

■ इस कोर्स से आप क्रिएटिव इंडस्ट्री के विभिन्न क्षेत्रों में कदम रख सकते हैं।

लेखक: कमर अब्बास, अयोध्या

फ्लाइट अटेंडेंट एक रोमांचक और शानदार करियर

सर्टिफिकेट कोर्स

अवधि: 6 महीने से 1 साल तक।

कवर विए जाने वाले विषय: वैसिक सेप्टी, ग्रुमिं, कम्प्रियोकेशन, और इन-फ्लाइट सर्विसेस।

योग्यता: 12वीं कक्षा पास।

डिग्री कोर्स

अवधि: 3 साल।

कवर विए जाने वाले विषय: एपिएशन इंडस्ट्री की शोरी 3 और प्रैविटकल जानकारी, डॉक्टरिटी, और मैनेजेंट।

योग्यता: 12वीं कक्षा पास।

ट्रेनिंग के दौरान हवाई यात्रा से जुड़ी जरूरी जानकारी, यात्रियों की देखभाल के तरीके, सुरक्षा प्रोटोकॉल और प्रोफेशनल व्यवहार की दीर्घी जीती है।

शारीरिक योग्यता: उम्र 17 से 25 साल की वीच ही साली हाहिंग, अंडी पिंपोरेस और न्यूट्रिम लंबाई (लड़कियों के लिए लागत 155 सेमी और लड़कों के लिए लागत 160 सेमी होनी चाहिए।

उत्तराधिकारी: 25,000 से 40,000 तक हो सकती है। जैसे-जैसे अनुभव बढ़ता है और आप इंटरनेशनल फ्लाइट्स पर काम करने लगते हैं, सेलरी 16,000 से 1 लाख या उससे ज्यादा भी हो सकती है।

उत्तराधिकारी: 25,000 से 40,000 तक हो सकती है। जैसे-जैसे अनुभव बढ़ता है और आप इंटरनेशनल फ्लाइ

वर्ल्ड ब्रीफ

पाकिस्तान: विस्फोट में 13 की मौत, 31 घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बूद्धिस्तान सुरे में मालवार को हुए एक जोरदार धमाके में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई और 31 घायल हो गए। सूरे के बाह्यन्य में अत्यन्त घटना के बाद बाया कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि घायलों में कई की हालत भारी बीमार हुई है। ये विस्फोट सूरे की राजधानी वरेटा के शहवानी स्टडीयूम इलाके में एक राजनीतिक सम्मेलन के पास हुआ।

सीरिया: हवाई अड्डे के पास जोरदार विस्फोट
दमिश्क - सीरिया की राजधानी दमिश्क शित अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास एक पूर्वी सैरों अड्डे पर शितसारी विस्फोट हुआ। सरकारी अखबार अल-शायदा ने आधिकारिक सुत्रों के हवाले से बताया कि बृहवार को यह विस्फोट हवाई अड्डे के पास युद्ध में इस्तेमाल होने वाले विस्फोटों के कारण हुआ, जबकि सीरियाई विपक्षी अखबार शम टीवी ने अपनी विस्फोट में बाया किया कि यह विस्फोट एक इजरायली ड्रोन द्वारा सेन्य 300 की निशाना बनाने के कारण हुआ। फिलहाल विस्फोट के कारण तकाल किसी के हवालत होने के बारे में जानकारी नहीं मिल पाई है।

दक्षिण कोरिया में छुरा घोपकर तीन को मारा
सोल - दक्षिण कोरिया की राजधानी सोल में बृहवार को एक व्यक्ति ने तीन लोगों पर चाकू से हमला किया। घायलों को पास के अस्पताल ले जाया गया जहाँ तीन लोगों की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुष्ठित दक्षिण-पैचिमी सॉल के एक रेस्टोरेंट में स्थानीय समयानुसार सुबह लाभगत 10-57 बजे एक व्यक्ति ने दो अन्य लोगों और एक लोगों को युद्ध सुबह घोपकर तीन की मौत हो गई। हमलाकार ने इसके बाद आत्महत्या के प्रयास किया। वह भी गंभीर रूप से घायल हो गया।

अफगानिस्तान में 1400 से ज्यादा हुए मुक्त
जलालाबाद। संघर्ष राष्ट्र ने पूर्वी अफगानिस्तान में आए भूकंप में हताहों की संख्या में और वृद्धि की चेतावनी दी है। तालिमान ने कहा कि एक भूकंप में मरने वालों की संख्या 1,400 से अधिक हो गई और 3,000 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने जो आंकड़े दिए हैं, वे सिर्फ़ कुनार प्रांत के हैं। रविवार रात आरा 6.0 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने कई प्रांतों को हिलाकर रख दिया, जैससे भरी तबाही हुई।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारत की वजह से अमेरिका को यथापार में नुकसान उठाना पड़ा है लेकिन उच्च सीमा शुल्क लगाए जाने के बाद भारत ने अब 'जोरी टैरिफ' की पेशकश की है।

